Literacy for a Billion

Movie: Zameer
Year: 1975

Song: Tum Bhi Chalo
Lyricist: Sahir Ludhianvi

हूँ...
चलती रहे
जिंदगी
तुम भी चलो
हम भी चलें
चलती रहे जिंदगी
तुम भी चलो
हम भी चलें
चलती रहे जिंदगी
ना जमीं मंजिल
ना आसमां
जिंदगी है
जिंदगी
तुम भी चलो
हम भी चलें
चलती रहे जिंदगी
पीछे देखें ना
कभी मुड़ के राहों में
हो...
झूमे मेरा दिल
तुम्हें ले के बाँहों में
हो धड़कनों की जुबाँ
नित कहे दास्ताँ

प्यार की झिल मिल छाँव में
पलती रहे जिंदगी
तुम भी चलो
हम भी चलें
चलती रहे जिंदगी
बहते चलें हम
मस्ती के धारों में
हो गूँजें यही धुन
सदा दिल के तारों में
हो...अब रूके ना कहीं
प्यार का कारवाँ
नित नई ऋत के
रंग में ढलती रहे जिंदगी
तुम भी चलो
हम भी चलें
चलती रहे जिंदगी
ना जमीं मंजिल
ना आसमां
जिंदगी है
जिंदगी
तुम भी चलो
हम भी चलें
चलती रहे जिंदगी

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.